

अनात्मवाद पुं. (तत्.) आत्मा को न मानने का सिद्धांत, जड़वाद।

अनात्मवादी वि. (तत्.) 1. अनात्मवाद का अनुयायी, समर्थक, आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार न करने वाला व्यक्ति/दर्शन/धर्म 2. भौतिकवाद, जड़वाद (बौद्ध), आत्मा शाश्वत तत्त्व नहीं बल्कि नित्य परिवर्तनशील है 3. नास्तिक दर्शन।

अनात्मवान् वि. (तत्.) असंयमी।

अनात्मा वि. (तत्.) 1. आत्मरहित 2. जो आत्मसंयमी न हो, जिसने स्वयं को वश में न किया हो पुं. आत्मा से भिन्न पदार्थ, जड़ पदार्थ, शरीर या शरीर संबंधी।

अनात्म्य वि. (तत्.) 1. शरीर रहित 2. जिसमें अपने परिवार के प्रति आत्मीयता, स्नेह न हो, प्रेम रहित व्यक्ति।

अनात्यंतिक वि. (तत्.) 1. जो सतत, अनंत या नित्यस्थायी न हो 2. जो सर्वोच्च या पूर्ण न हो 3. जो प्रचुर या अधिक न हो।

अनाथ वि. (तत्.) 1. नाथहीन, बिना मालिक का, यतीम, माता-पिता रहित (बच्चा) 2. असहाय, बेसहारा।

अनाथसभा स्त्री. (तत्.) 1. अनाथालय 2. निर्धन गृह।

अनाथालय पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ अनाथों का पालन-पोषण होता है, अनाथाश्रम।

अनाथाश्रम पुं. (तत्.) दे. अनाथालय।

अनाद पुं. (तत्.) ध्वनि में नाद-अंश का अभाव वि. (तत्.) नाद-रहित, घोष-रहित।

अनादर पुं. (तत्.) निरादर, अपमान, तिरस्कार, बेइज्जती, अवज्ञा।

अनादरण पुं. (तत्.) असम्मानपूर्ण व्यवहार करना।

अनादरणीय वि. (तत्.) 1. आदर के अयोग्य, अमाननीय 2. तिरस्कार-योग्य, बुरा।

अनादरित वि. (तत्.) दे. अनादर।

अनादि वि. (तत्.) 1. जिसका आदि (आरंभ) न हो 2. जो सदा से हो।

अनादिमध्यांत वि. (तत्.) [अनादि+मध्य+अंत] 1. जिसका आदि, मध्य और अंत न हो, सनातन, शाश्वत, नित्य 2. ईश्वर।

अनादिष्ट वि. (तत्.) 1. वह काम/बात आदि जिसके लिये आदेश न दिया गया हो 2. (व्यक्ति) जिसे किसी काम आदि के लिए आदेश न दिया गया हो। आज्ञा न दी गई हो।

अनादिसिद्ध वि. (तत्.) अनादि काल से विद्यमान, शाश्वत, नित्य, अनादि काल से चलता आ रहा।

अनादृत वि. (तत्.) जिसका अनादर हुआ हो, अपमानित।

अनादृत विनिमय पत्र पुं. (तत्.) वह चेक, हुंडी आदि जिसकी राशि का भुगतान करने से भुगतान करने वाले पक्ष ने इनकार कर दिया हो।

अनादेय वि. (तत्.) जो आदेय अर्थात् ग्रहण करने योग्य न हो, न लेने योग्य।

अनादेश पुं. (तत्.) आदेश का अभाव, जिसके लिए आज्ञा न हो, जिसकी स्वीकृति न दी गई हो।

अनाद्य वि. (तत्.) 1. अखाद्य, जो आद्य अर्थात् खाने योग्य न हो 2. अनादि।

अनाद्यंत वि. (तत्.) जिसका आदि-अंत न हो पुं. (तत्.) शिव।

अनाद्यनंत वि. (तत्.) क्रमशः अनादि और अनंत, दे. अनाद्यंत।

अनाधार वि. (तत्.) निराधार, निरवलंब, अवलंब-रहित, आधार-रहित, बेसहारा।

अनाधि वि. (तत्.) आधि-रहित अर्थात् चिंतारहित या मानसिक कष्ट रहित।

अनानुग्रहिक कार्य पुं. (तत्.) वह कार्य जो प्रतिफल या लाभ को ध्यान में रख कर किया गया जाए न कि अनुग्रह या कल्याण की भावना से दे. आनुग्रहिक कार्य।